

राजमार्गों पर नशा विरोधी संदेशों वाले होर्डिंग, राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप

नशे का मुद्दा 2027 पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब में नशों का मुद्दा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के लिए प्रमुख मुद्दा बनता जा रहा है। राज्य के कई हिस्सों में राजमार्गों के किनारे नशों के खिलाफ संदेश वाले होर्डिंग लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही विभिन्न राजनीतिक दल नशे की समस्या को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। भाजपा ने भी इस मुद्दे को लेकर अपनी मुहिम तेज की है। पार्टी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अबोहर की 40 वर्षीय बलजीत कौर ने नशे के कारण अपने बेटे को खोने का जिक्र करते हुए पंजाब को नशामुक्त करने की मांग उठाई। वहीं, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने विपक्ष पर पंजाब में नशे की स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के आरोप लगाए हैं। डीजीपी गौरव यादव द्वारा बताए गए आंकड़ों के अनुसार, 1 मार्च 2025 से एनडीपीएस एक्ट के तहत 7,582 एफआईआर दर्ज की गई हैं। 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत दोषसिद्धि की दर 89 प्रतिशत बताई गई



है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से नशों की बड़ी बरामदगी का भी उल्लेख किया था। उन्होंने केंद्र पर पंजाब में बरामद होने वाले नशों को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। ये मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए राजनीतिक आरोप हैं।

इसी तरह 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' ने 29 अगस्त को बाबा बकाला में रक्खड़ पुण्या के अवसर पर सत्ता में आने की स्थिति में पंजाब के नशा संकट पर श्वेत पत्र लाने का वादा किया था। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी सचिन पायलट ने भी नशे के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी सरकार

और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरा है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने जेलों में ओपिओइड-असिस्टेड ट्रीटमेंट से जुड़े कैदियों के आंकड़ों का हवाला देते हुए सरकार की नशों से निपटने की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

गुलजार सिंह की मौत के बाद भी उठा मुद्दा

नशों का मुद्दा 7 सितंबर को 50 वर्षीय गुलजार सिंह की आत्महत्या के बाद भी चर्चा में आया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने एक दिन पहले वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के सामने अपने क्षेत्र में नशों की सफाई को लेकर सवाल उठाया था। इसके बाद कथित तौर पर उन्हें परेशान किए जाने की बात सामने आई। हालांकि, इन आरोपों और घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि जांच के आधार पर ही हो सकती है। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संघवां ने भी नशों को पूरी तरह खत्म करने की जरूरत पर टिप्पणी की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च में मोगा की 'बदलाव' रैली के दौरान भाजपा को पंजाब को नशामुक्त कराने वाली पार्टी के रूप में पेश किया था।

दो दशक से चुनावी राजनीति में नशा बड़ा मुद्दा

पंजाब में नशों का मुद्दा पिछले करीब दो दशकों से राजनीतिक बहस का हिस्सा रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व डीजीपी शशि कांत ने कुछ कांग्रेस नेताओं और अकाली मंत्रियों पर नशे के कारोबार में शामिल होने के आरोप लगाए थे। हालांकि, वे इन आरोपों को सबूतों के साथ साबित नहीं कर पाए थे। 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सत्ता में आने के बाद चार सप्ताह में पंजाब को नशामुक्त करने का वादा किया था। 2017 में कांग्रेस सरकार द्वारा गठित विशेष टास्क फोर्स की रिपोर्ट में तत्कालीन अकाली मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया का नाम भी सामने आया था।

जापान एशियन गेम्स में लुधियाना के ध्रुव कपिला का जलवा, भारतीय टीम के साथ जीता कांस्य; पंजाब सरकार देगी 50 लाख



अश्वनी पाहवा | चंडीगढ़
समर न्यूज़

कैलाश नगर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन में पहचान बनाने वाले लुधियाना के ध्रुव कपिला ने जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम के साथ कांस्य पदक जीतकर देश और पंजाब का नाम रोशन किया है। मेन्स टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे ध्रुव की इस उपलब्धि पर पंजाब सरकार की खेल नीति के तहत उन्हें 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिए जाने की बात सामने आई है। ध्रुव के लिए एशियन गेम्स में यह लगातार दूसरी पदक उपलब्धि है। इससे पहले वह पिछली एशियन गेम्स की टीम चैंपियनशिप में भारतीय टीम के साथ रजत पदक जीत चुके हैं। ध्रुव कपिला के खेल करियर की खास बात यह है कि उन्होंने महज साढ़े आठ साल की उम्र में लुधियाना के शास्त्री हॉल बैडमिंटन अकादमी से खेल का सफर शुरू किया था। इसके बाद बेहतर और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण के लिए वह हैदराबाद स्थित पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी चले गए। कम उम्र में ही घर से दूर रहकर उन्होंने प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित किया और धीरे-धीरे राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई।



थॉमस कप में गोल्ड, एशियन गेम्स में लगातार दो पदक

ध्रुव के अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वर्ष 2022 में थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे और स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके बाद एशियन गेम्स की टीम चैंपियनशिप में रजत पदक और अब जापान में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अपने पदकों के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ दी है। ध्रुव ने 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई बीसीएम स्कूल, शास्त्री नगर से पूरी की। इसके बाद उन्होंने 12वीं की पढ़ाई प्राइवेट तौर पर की और पंजाबी यूनिवर्सिटी से बीए की डिग्री हासिल की। जूनियर वर्ग में वह विश्व नंबर-1 रैंकिंग तक पहुंच चुके हैं।

- **तनीषा के साथ मिक्स्ट डबल्स में भी बनाई जोड़ी...**

वर्तमान में ध्रुव कपिला तनीषा क्रास्टो के साथ मिक्स्ट डबल्स में

भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दोनों की जोड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस जोड़ी की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग 16 रही है।

- **कोचों के साथ सरकार का भी मिला सहयोग...**

ध्रुव की सफलता में उनके शुरुआती और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण से जुड़े कोचों का अहम योगदान रहा। इसके अलावा पंजाब की खेल नीति के तहत तत्कालीन खेल मंत्री मीत हेयर की ओर से भी ध्रुव को अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने के लिए सहयोग मिला।

ध्रुव को एशियन गेम्स की तैयारी और ट्रेनिंग के लिए पंजाब सरकार की ओर से 8 लाख रुपये, जबकि वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक

मदद भी दी गई थी। पंजाब सरकार की खेल नीति में एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए नकद पुरस्कार का प्रावधान भी है।

- **पिता कारोबारी, मां चलाती हैं बुटी...**

ध्रुव के पिता गगन कपिला कारोबारी हैं, जबकि मां शिवानी कपिला बुटीक चलाती हैं। उनका छोटा भाई शिवांश कपिला ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहा है। परिवार के लिए ध्रुव की यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत और त्याग का परिणाम है। साढ़े आठ साल की उम्र में शास्त्री हॉल से शुरू हुआ ध्रुव का बैडमिंटन सफर आज जापान के एशियन गेम्स तक पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर कांस्य पदक जीतकर उन्होंने लुधियाना के खेल जगत को एक बार फिर बड़ी उपलब्धि दी है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने पंजाब की राजनीति, नशे और भाजपा पर खुलकर रखी बात

समर न्यूज़ | चंडीगढ़



अमरिंदर सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की सुरक्षा रणनीति में पंजाब और भारत को अस्थिर रखना शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत तभी आगे बढ़नी चाहिए जब सीमा पर आतंकवाद और हिंसा को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। हालांकि करतारपुर कॉरिडोर के सवाल पर उन्होंने बातचीत और सामान्य संबंधों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि दोनों देशों के बीच स्थिति सामान्य होती है तो करतारपुर साहिब के साथ-साथ ननकाना साहिब, पंजा साहिब और अन्य धार्मिक स्थलों तक लोगों की यात्रा आसान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक समझ के लिए बातचीत जरूरी है। पंजाब की राजनीति पर उन्होंने कहा कि राज्य में अकाली दल के कई धड़े हैं और कांग्रेस में भी गुटबाजी दिखाई दे रही है। भाजपा के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी ने पंजाब में लंबे समय तक अपने दम पर चुनाव नहीं लड़ा और पहले वह गठबंधन में कनिष्ठ सहयोगी की भूमिका में रही। उन्होंने कहा कि भाजपा के सामने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की चुनौती है। भाजपा और अकाली दल के संभावित गठबंधन पर पूछे गए सवाल पर कैप्टन ने कहा कि

सरकार बनाने के लिए गठबंधन एक विकल्प हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और अकाली दल पहले भी कई बार मिलकर सरकार बना चुके हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब की राजनीति में आने वाले महीनों में परिस्थितियां तेजी से बदल सकती हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भाजपा में शामिल होने के बाद अपने अनुभव पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाजपा में शामिल होने के फैसले पर पछतावा नहीं किया, लेकिन पंजाब से जुड़े राजनीतिक और नीतिगत मामलों में पिछले पांच वर्षों में पार्टी ने उनसे कोई बैठक कर सलाह नहीं ली। उन्होंने कहा कि करीब छह दशक तक पंजाब की राजनीति को देखने के कारण वह राज्य के बारे में अपना अनुभव साझा कर सकते हैं। उन्होंने कांग्रेस के साथ अपने पुराने संबंधों का भी उल्लेख किया। कैप्टन ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस में लंबा समय बिताया और आज भी पार्टी के कई नेताओं से उनके व्यक्तिगत संबंध हैं। उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को राजनीति से अलग बताया। हालांकि कांग्रेस में वापस जाने की संभावना पर उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत संबंध और राजनीतिक संबंध अलग-अलग विषय

हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के सवाल पर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने किसी नेता का नाम बताने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनसे पंजाब के मुख्यमंत्री पद के संभावित उम्मीदवारों के बारे में भी चर्चा नहीं की है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह स्वयं मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी स्वीकार करेंगे, तो उन्होंने अपनी उम्र और राजनीतिक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं जताई। वहीं, अमृतपाल सिंह और वारिस पंजाब दे के प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि पंजाब में जेल में बंद नेताओं के प्रति एक वर्ग में सहानुभूति रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक किसी नेता को जेल में रखने से उसके प्रति सहानुभूति और राजनीतिक समर्थन बढ़ सकता है। उन्होंने सिमरनजीत सिंह मान के पुराने चुनावी उदाहरण का भी उल्लेख किया। अमरजीत सिंह चावला से जुड़े हालिया मामले पर कैप्टन ने कहा कि पार्टी को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए और उन्हें पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में राजनीतिक दलों को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। किसानों के मुद्दे पर कैप्टन ने कहा कि कृषि उनके लिए हमेशा महत्वपूर्ण विषय रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की कई मांगें हैं और किसी भी सरकार के लिए सभी मांगों को पूरा करना आसान नहीं है। उन्होंने किसानों के साथ अपने लंबे संबंधों का भी उल्लेख किया। साक्षात्कार के दौरान कैप्टन अमरिंदर सिंह ने यह भी कहा कि पंजाब की राजनीति में व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और गुटबाजी के बजाय अनुशासन तथा जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर संगठन मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

शिअद (पुनर सुरजीत) ने राज्यपाल कटारिया से की बलात्कार मामले में स्वतंत्र एसआईटी की मांग

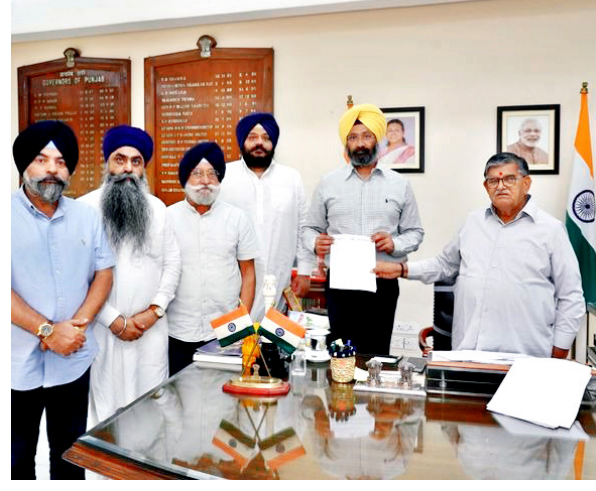
प्रतिनिधिमंडल ने की मामले से जुड़े रिकॉर्ड और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य सुरक्षित करने की मांग

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर पूर्व एसजीपीसी सदस्य और शिरोमणि अकाली दल नेता अमरजीत सिंह चावला के खिलाफ दर्ज बलात्कार के मामले की जांच के लिए तत्काल स्वतंत्र और उच्चस्तरीय विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व परमिंदर सिंह ढोंडसा ने किया। इसमें गगनजीत सिंह बरनाला, गुरजीत सिंह तलवंडी, हरबंस सिंह कंधोला, हरदीप सिंह और गुरविंदर सिंह डूमचेरी शामिल थे। राज्यपाल को सौंपे जापान में पार्टी ने 21 अगस्त को आनंदपुर साहिब थाने में दर्ज एफआईआर की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही शिकायतकर्ता द्वारा बाद में लगाए गए उन आरोपों की भी जांच की मांग की गई, जिनमें एसजीपीसी के कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों और सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले शिरोमणि अकाली दल से जुड़े पदाधिकारियों की कथित सलिप्तता का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन में कहा गया कि यह गंभीर सार्वजनिक चिंता का विषय है, क्योंकि अमरजीत सिंह चावला, जो उस समय एसजीपीसी सदस्य थे, के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर एसजीपीसी परिसरों और वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े घटनाक्रम तथा कुछ अन्य अकाली नेताओं के नाम की वीडियो के माध्यम से सामने रखे हैं।

- **चावला के देश छोड़ने पर उठाए सवाल...**

शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) के नेता परमिंदर सिंह



ढोंडसा ने कहा कि मुख्य आरोपी अमरजीत सिंह चावला के कथित तौर पर देश छोड़ने में सफल होने से पंजाब सरकार और जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि चावला के देश से बाहर जाने की परिस्थितियों को सौंपे जापान में पार्टी ने 21 अगस्त को आनंदपुर साहिब थाने में दर्ज एफआईआर की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। इसके साथ ही शिकायतकर्ता ने कथित तौर पर एसजीपीसी परिसरों और वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े घटनाक्रम तथा कुछ अन्य अकाली नेताओं के नाम की वीडियो के माध्यम से सामने रखे हैं।

- **अकाल तख्त के फैसले का भी ज्ञापन में उल्लेख...**

यह मांग उस घटनाक्रम के बीच की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। इसमें उनके जाने की तरीका, मार्ग, आग्रजन एवं यात्रा रिकॉर्ड तथा किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा कथित तौर पर दी गई सहायता या सुविधा की भी जांच शामिल होनी चाहिए।

और एसजीपीसी के एक चालक पर अश्लील संदेश भेजने के भी आरोप लगाए हैं।

- **सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सुरक्षित करने की मांग...**

शिअद (पुनर सुरजीत) के प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि मामले से जुड़े सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित किया जाए। इनमें सीसीटीवी फुटेज, जेल और मुलाकात से संबंधित रिकॉर्ड, सराय के आवास रजिस्टर, वाहनों की आवाजाही के रिकॉर्ड, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक संचार, वित्तीय लेनदेन तथा यात्रा से जुड़े रिकॉर्ड शामिल हैं। पार्टी ने संबंधित मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी कब्जे में लेकर उनकी जांच करने की मांग की है। ज्ञापन में राज्यपाल से अनुरोध किया गया कि वरिष्ठ और निपक्ष अधिकारी की अध्यक्षता में स्वतंत्र उच्चस्तरीय एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए जाएं, जो एफआईआर के साथ-साथ उससे पहले और बाद की परिस्थितियों की भी जांच करे। पार्टी ने एसआईटी से 15 दिनों के भीतर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने की मांग भी की है।

गमाडा पर ईडी की छापेमारी के बाद डेराबस्सी की अवैध कॉलोनियों की जांच की मांग ने पकड़ा जोर

गांव बेहड़ा से भगवानपुर, गांव सुंडरा, समगोली तक रिकॉर्ड खंगालने पर कई परतें खुलने का दावा

गुरमीत सिंह / डेराबस्सी
समर न्यूज़



डेराबस्सी बेहड़ा सड़क पर अवैध कॉलोनी में हो रहे अवैध निर्माण की तस्वीर।

गमाडा कार्यालय में ईडी की कार्रवाई और दस्तावेजों से भरे बैग बाहर ले जाने के बाद अब डेराबस्सी क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों में प्लॉटिंग और रजिस्ट्रियों का मुद्दा भी गरमा गया है। स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि यदि ईडी द्वारा गमाडा के रिकॉर्ड की जांच की जा रही है तो डेराबस्सी की बेहड़ा रोड, भगवानपुर, सुंडरा, समगोली और कुड़ावाला रोड सहित उन क्षेत्रों का रिकॉर्ड भी खंगाला जाना चाहिए, जहां कृषि भूमि पर कॉलोनियां काटे जाने के आरोप लगते रहे हैं।

फर्जी एनओसी के जरिए रजिस्ट्रियां करवाने के मामले के सामने आने के बाद भी बड़े कॉलोनाइजर्स तक

कानूनी कार्रवाई नहीं पहुंचने को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अब आरोप लगाए जा रहे हैं कि कुछ प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा विभागीय मिलीभगत से बिना मंजूरी कॉलोनियां काटकर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का रास्ता अपनाया गया। बेहड़ा के पास करीब 28 बीघा कृषि भूमि पर इंडस्ट्रियल कॉलोनी

विकसित किए जाने का मामला भी चर्चा में है। इसके अलावा पोल्ट्री फार्म वाली जगह पर भी छोटे-छोटे प्लॉट काटकर बेचे जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि मौके पर प्लॉटिंग होने के बावजूद रजिस्ट्रियों के समय जमीन को कृषि भूमि के रूप में दर्शाया गया। इन आरोपों के बाद सरकारी राजस्व

और रजिस्ट्री प्रक्रिया से जुड़े कई सवालों के जवाब तलाशने की मांग उठ रही है। हैरानी की बात यह भी बताई जा रही है कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कई बार कार्रवाई सड़कें तोड़ने या नोटिस जारी करने तक ही सीमित रही, जबकि मौके पर हुई प्लॉटिंग और निर्माण को लेकर गमाडा की कार्रवाई पर सवाल उठते रहे हैं।

इस पूरे मामले में राजस्व विभाग की मौका रिपोर्ट भी जांच का अहम हिस्सा बन सकती हैं। मांग की जा रही है कि रजिस्ट्रियों, फर्दों, मौका रिपोर्टों, एनओसी और कॉलोनी मंजूरीयों का आपस में मिलान कर पूरे मामले की जांच की जाए। फर्जी एनओसी मामले में राजस्व विभाग द्वारा बड़ी संख्या में दस्तावेजों

की प्रतियां पुलिस को दिए जाने के बावजूद सामने आई रजिस्ट्रियों की संख्या को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। लोगों का दावा है कि एक महीने में हजारों रजिस्ट्रियां बिना एनओसी या जाली एनओसी के साथ करवाई गई है लेकिन कई महीनों की रजिस्ट्रियों में केवल 175 रजिस्ट्रियां फर्जी एनओसी से होने की बात सामने आई है।

अब गमाडा में ईडी की कार्रवाई के बाद मांग उठ रही है कि डेराबस्सी क्षेत्र में कॉलोनियों और रजिस्ट्रियों से जुड़े पूरे नेटवर्क की निष्पक्ष जांच की जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कृषि भूमि पर कथित प्लॉटिंग से लेकर रजिस्ट्री और एनओसी तक की प्रक्रिया में कहां-कहां पर नियमों का उल्लंघन हुआ है और इनका जिम्मेदार कौन है।

बलबीर सिंह सिद्धू गंदी राजनीति करना बंद करें : सरपंच इकबाल सिंह

सागर पाहवा / मोहाली
समर न्यूज़



जुझार नगर के सरपंच इकबाल सिंह ने पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता बलबीर सिंह सिद्धू द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन करते हुए उन पर राजनीतिक बयानबाजी करने का आरोप लगाया है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए इकबाल सिंह ने कहा कि बलबीर सिंह सिद्धू को किसी के बहकावे में आकर अनाप-शनाप बयानबाजी करने के बजाय तथ्यों के आधार पर बात करनी चाहिए। सरपंच इकबाल सिंह ने कहा कि बलबीर सिंह सिद्धू पूर्व कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं और उन्हें अपने राजनीतिक कद के अनुरूप मुद्दे उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह कथित तौर पर उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों के पीछे कांग्रेस नेताओं और विरोधियों की राजनीतिक मंशा देखते हैं। इकबाल सिंह ने कहा, “बलबीर सिंह सिद्धू

गंदी राजनीति का खेल बंद करें। अगर उनमें दम है तो मेरे खिलाफ सरपंची का चुनाव लड़कर देख लें, इससे पता चल जाएगा कि जनता का समर्थन किसके साथ है।” पानी की सप्टाई को लेकर लगाए गए आरोपों पर कहा कि वर्ष 2020 में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान जलापूर्ति से संबंधित जिम्मेदारियां ग्राम पंचायतों और सरपंचों को दिए जाने के आदेश जारी हुए थे। उन्होंने दावा किया कि इन आदेशों की प्रति उनके पास मौजूद है और इसे पत्रकारों के समक्ष भी रखा गया है। इकबाल सिंह ने कहा कि यदि संबंधित सरकारी आदेशों में पंचायतों की जिम्मेदारी

तय की गई थी तो वर्तमान में इस मुद्दे को लेकर उन पर सवाल उठाना राजनीतिक रूप से उचित नहीं है। जुझार नगर के सरपंच ने धर्मशाला और मंदिरों से जुड़े मुद्दे पर भी बलबीर सिंह सिद्धू को घेरा। उन्होंने कहा कि गांव की पंचायती धर्मशाला पंचायत के अधीन होती है। उन्होंने सवाल उठाया कि इस व्यवस्था के बावजूद इस मुद्दे को राजनीतिक रंग क्यों दिया जा रहा है। नगर निगम चुनाव में पैसे इकट्ठे करने के आरोप को निराधार बताया। इकबाल सिंह ने नगर निगम चुनाव के दौरान विधायक कुलवंत सिंह को जनता से पैसे इकट्ठे करके देने संबंधी आरोप को भी खारिज किया।

सोहाना के गुरुद्वारा सिंह शहीदां में बाबा श्री चंद जी उदासीन के जन्मदिवस पर विशेष गुरमत समागम

गुरशरण सिंह / सुरिंदर सिंह अंकुश
समर न्यूज़ / मोहाली



धन-धन अमर शहीद जय्येदार बाबा हनुमान सिंह जी के शहीदी स्थान, गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना में श्री गुरु नानक देव जी के बड़े सुपुत्र बाबा श्री चंद जी उदासीन के जन्मदिवस को समर्पित विशेष गुरमत समागम आयोजित किया गया।

समागम की शुरुआत सुबह 9 बजे श्री सहज पाठ साहिब के भोग के साथ हुई। इसके बाद दिनभर धार्मिक दीवान सजाए गए, जिनमें विभिन्न रागों, ढाडी और कविशरी जय्यों ने संगत को गुरबाणी, इतिहास और गुरमत विचारों से जोड़ा।

भाई नवरां सिंह मलेकोटला वाले के अंतरराष्ट्रीय ढाडी जय्ये ने बाबा श्री चंद जी उदासीन के जीवन से संबंधित प्रसंग ढाडी वारों के माध्यम से विस्तार से सुनाए। भाई जगतार सिंह अमृतसर वालों ने रसपूर्ण

कीर्तन के जरिए संगत को गुरबाणी से जोड़ा। वहीं भाई गुरपाल सिंह दमदमी टकसाल वालों ने खंडे बाटे के अमृत की महत्ता बताते हुए संगत को अमृत छककर गुरु से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। समागम में बीबी मनजिंदर कौर फगवाड़ा, भाई मनदीप सिंह संतरकर, भाई पूरण सिंह जवदी टकसाल, भाई गुरदीप सिंह, भाई निशान सिंह, भाई सुरजीत सिंह, भाई बहादुर सिंह, भाई अमरजीत सिंह खालसा, शेर-ए-पंजाब कविशरी जय्या और सुखमनी सेवा सोसायटी की बीबियों के जय्यों ने भी अपनी हाजिरी लगाई।

■ वालंटियर्स ने 240 यूनिट ब्लड डोनेट किया

सागर पाहवा / लांडरां
समर न्यूज़ / मोहाली



लांडरां में आज ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित किया गया जिसमें स्टूडेंट्स और एम्प्लॉइज ने 240 यूनिट ब्लडडोनेट किया। यह कैंप जीवंत कम्युनिटी औरडिपार्टमेंट ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर, सीजीसी लांडरांकी पहल थी, जिसका आयोजन रोटरी क्लब चंडीगढ़ के सहयोग से किया गया। (यह कैंप रोटरीडिस्ट्रिक्ट 3080 के तहत आयोजित किया गया, जिसमें चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेशऔर उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों को मिलाकर लगभग140 रोटरी क्लब शामिल हैं।) यहाँ एकत्रित ह्युक्लड यूनिट को रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटीरिसर्स सेंटर, सेक्टर 37, चंडीगढ़ को दान कियाजाएगा। यह केंद्र रोटरी क्लब

चंडीगढ़ और ब्लडबैंक सोसाइटी ऑफ चंडीगढ़ का जॉइंट वेंचर है। कैंप का उद्घाटन डॉ. गगनदीप भुल्लर, डायरेक्टर, स्टूडेंट वेलफेयर एंड एलुमनी अफेयर्स, डॉ. राजदीपसिंह, कैपस डायरेक्टर, मिस टीना विर्क, प्रेसिडेंट, रोटरी क्लब चंडीगढ़, अरुण अग्रवाल, डायरेक्टर, कम्युनिटी सर्विसेज, रोटरी क्लब चंडीगढ़, श्रेय, चेयरपर्सन, रोटरी क्लब चंडीगढ़ तथा जीवंतकम्युनिटी, सीजीसी लांडरां के स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर्सकी उपस्थिति में किया गया। इस पहल की सराहनाकरते हुए डॉ. गगनदीप भुल्लर ने ब्लड डोनर्स द्वाराइस नेक

कार्य के प्रति दिखाए गए उत्साह की प्रशंसाकी। मिस टीना विर्क ने सीजीसी लांडरां के मैनेजमेंट, स्टूडेंट्स और फैकल्टी मेंबर्स विशेष रूप से डॉ. गगनदीप भुल्लर, का आभार व्यक्त किया, जिनकेसहयोग से ब्लड डोनेशन कैंप सफलतापूर्वकआयोजित किया जा सका। उन्होंने आगे कहा, “आजहमारा पूरा रोटरी डिस्ट्रिक्ट ब्लड डोनेशन कैंप केआयोजन में जुटा हुआ है। ‘रक्तदान महाकुंभ’ के नारेके साथ हम अभूतपूर्व स्तर पर रक्त संग्रह करते हुएगैनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करानेका प्रयास कर रहे हैं।

हरियाणा में आय सत्यापन का काम 2 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश

मुकुल शर्मा / पंचकूला
समर न्यूज़



हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी जिलों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से किए जा रहे आय सत्यापन का काम 2 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उपायुक्तों, अतिरिक्त उपायुक्तों और जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पंचकूला के अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्या ने मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि जिले में यह काम तय समय में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने लघु सचिवालय में जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, खंड

विकास एवं पंचायत अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। विवेक आर्या ने अधिकारियों को अपने क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं आयोजित करने और इनमें अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को प्रत्येक पंचायत में काम की प्रगति की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि आय सत्यापन पारदर्शी ढंग से और नियमों के अनुसार किया जाए।

मलेशिया से वांछित गैंग सदस्य का डिपोर्टेशन, 2026 में एसटीएफ हरियाणा की 15वीं बड़ी कार्रवाई

मुकुल शर्मा / चंडीगढ़
समर न्यूज़



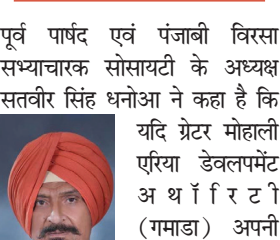
हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने विदेश में छिपे वांछित अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मलेशिया से एक वांछित गैंग सदस्य को भारत वापस लाने में सफलता हासिल की है। आरोपी का 24 सितंबर को मलेशिया से सफलतापूर्वक डिपोर्टेशन करवाया गया। यह वर्ष 2026 में एसटीएफ हरियाणा द्वारा करवाया गया 15वां सफल डिपोर्टेशन है। एसटीएफ के डीआईजी सुरेंद्र नरवाल ने अंबाला में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि डिपोर्ट किया गया आरोपी हरियाणा में सक्रिय संगठित अपराधिक नेटवर्क से जुड़ा रहा है। उसके खिलाफ फिरीती/रगदारी,

संगठित अपराध और आर्म्स एक्ट से संबंधित मामले दर्ज हैं। आरोपी की आपराधिक गतिविधियों का संबंध हरियाणा के करनाल और कुरुक्षेत्र के अलावा राजस्थान से भी रहा है। उसके खिलाफ कुल दो आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं, जिनमें एक मामला थाना थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र से संबंधित है। आरोपी के विदेश में

होने की जानकारी मिलने के बाद एसटीएफ हरियाणा ने उसे भारत वापस लाने के लिए संबंधित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर कानूनी कार्रवाई शुरू की। आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया। इसके साथ ही रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी कराया गया। उसका पासपोर्ट भी 16 मई 2026 को निरस्त किया गया। जांच के अनुसार आरोपी ने 4 मार्च 2024 को अमृतसर एयरपोर्ट से कुआलालंपुर, मलेशिया की यात्रा की थी। इसके बाद वह विदेश में रह रहा था। एसटीएफ ने तकनीकी निगरानी और इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर आरोपी को ट्रैक किया और संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय के बाद उसे मलेशिया से डिपोर्ट करवाकर भारत लाया गया।

अधिग्रहित भूमि के सही इस्तेमाल करने पर गमाडा को भूमि अधिग्रहण की जरूरत नहीं: सतवीर सिंह

गुरशरण सिंह / सुरिंदर सिंह अंकुश
समर न्यूज़ / मोहाली



पूर्व पार्षद एवं पंजाबी विरसा सभ्यत्वाकर सोसायटी के अध्यक्ष सतवीर सिंह धनोआ ने कहा है कि यदि ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) अपनी पहले से अधिग्रहित जमीन का सही और योजनाबद्ध तरीके से इस्तेमाल करे, तो नई कृषि भूमि अधिग्रहित करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां जारी बयान में धनोआ ने कहा कि गमाडा को सबसे पहले अपनी मौजूदा खाली पड़ी जमीन के पूर्ण उपयोग और विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अथॉरिटी को अपनी

कार्यप्रणाली और योजना बनाने के तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है। विकास की योजना केवल नई जमीन हासिल करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि पहले से मौजूद सरकारी जमीन, खाली प्लॉट और लंबे समय से अनुपयोगी पड़ी जमीन को विकसित करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करने के लिए जमीन अधिग्रहित की गई है, उसका उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाए। धनोआ ने कहा कि गमाडा की स्थापना लोगों को बेहतर शहरी सुविधाएं और रहन-सहन का वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों की समस्याओं और मांगों पर अपेक्षित

ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को लोगों की ओर से दिए गए मांग-पत्रों और शिकायतों का भी समय पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 35 वर्ष पहले सेक्टर-69 के मास्टर प्लान में दर्शाया गया एक रास्ता आज तक जमीनी स्तर पर उपलब्ध नहीं कराया गया। इसी तरह नीड-बेस्ड पॉलिसी, तंग पुल, गंदे नाले, ओपन एरिया थिएटर, पंजाबी भवन और ग्रीन बेल्ट सहित कई मुद्दे लंबे समय से लंबित हैं। धनोआ ने कहा कि लोगों की दशकों पुरानी बुनियादी जरूरतों और शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि गमाडा की योजना प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, जन-केंद्रित और जवाबदेह हो। उन्होंने कहा कि अमृतसर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, खंड

तीन बसों को विधायक कुलवंत सिंह ने हरी झंडी दिखा अमृतसर किया रवाना

■ पंजाब सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं रहेगी लागू : कुलवंत सिंह

सागर पाहवा / मोहाली
समर न्यूज़



मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ओर से शुरू की गई मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत शुक्रवार को मोहाली विधानसभा क्षेत्र से तीन बसों को श्री अमृतसर साहिब के लिए रवाना किया गया। फेज-5 में बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने अवसर पर विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को श्री दरबार साहिब, श्री दुर्गामा मंदिर, राम तीर्थ वाल्मीकि मंदिर, जलियांवाला बाग और अटारी-चाचा सीमा सहित

विभिन्न स्थानों के दर्शन करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा खाटू श्याम, सालासर, वृंदावन और हरिद्वार के लिए भी बसें रवाना की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि तीर्थ यात्रा को लेकर वरिष्ठ नागरिकों और श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। विधायक ने यात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए कहा कि भगवान सभी की मनोकामनाएं पूरी करें। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी की नेता -अनु बब्बर द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लगातार कार्य किया जा रहा है, इसके साथ ही वह पंजाब सरकार की विभिन्न

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए भी सक्रियता से कार्य कर रही हैं। उनके नेतृत्व में फेज-5 से भी तीर्थ यात्रा के लिए बस रवाना की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना सहित पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं लगातार जारी रहेंगी। विपक्ष द्वारा सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद पंजाब के लोगों को 600 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना शुरू की गई थी, जो लगातार जारी है।

हरसिमरत बादल के मंच से उठेगी माताओं-बेटियों के इंसाफ की गूंज

सागर पाहवा / मोहाली
समर न्यूज़

माताओं और बेटियों के अधिकार, सुरक्षा और इंसाफ से जुड़े मुद्दों को लेकर आज मोहाली में बड़ा महिला सम्मेलन होगा। शिरोमणि अकाली दल के मोहाली हलका महिला विंग की ओर से आयोजित सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल संबोधित करेंगी। सम्मेलन दोपहर 12 बजे ग्रेंड रोमानिया पैलेस, गांव डेहरी, लैंडरां-बनुड़ रोड पर होगा। कार्यक्रम में हलके के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने की उम्मीद है। शिरोमणि अकाली दल के मोहाली जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह सोहाना ने कहा कि सम्मेलन में माताओं और बेटियों से जुड़े सवालों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकार, सुरक्षा और इंसाफ से जुड़े मुद्दे सामूहिक रूप से सामने रखने का मंच मिलेगा।

टोस सागौन और बेंट से बनी इस कुर्सियों की नीलामी की अनुमानित कीमत चार से छह हजार यूरो रखी गई

मोनिका रावत / चंडीगढ़
समर न्यूज़

चंडीगढ़ की विरासत एक बार फिर विदेशी नीलामी बाजार में पहुंच गई है। शहर के प्रशासनिक भवनों में इस्तेमाल किए गए पियरे जेनरे के फर्नीचर की पेरिस और नीदरलैंड में इसका सोट “प्रशासनिक भवन, चंडीगढ़” दर्ज है। इसे देखते हुए एडवोकेट और यूटी एडवाइजर कमेटी के सदस्य अजय जग्गा ने विदेश मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और चंडीगढ़ प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर नीलामी रोकने और फर्नीचर के स्वामित्व व भारत से बाहर जाने की

परिस्थितियों की जांच कराने की मांग की है। पेरिस की आर्टक्यूरियल में 30 सितंबर को होने वाली ‘इंटीरियर मोटिव्स: आर्टक्यूरियल एक्स रिफ्लेक्शंस’ नीलामी में पियरे जेनरे की वर्ष 1958 की ‘चेयर वी टाइप केन सीट केन बैक’ को लॉट नंबर 73 में रखा गया है। टोस सागौन और बेंट से बनी इस कुर्सी की अनुमानित कीमत चार से छह हजार यूरो रखी गई है। नीलामी सूची में इसका सोट “प्रशासनिक भवन, चंडीगढ़” बताया गया है। ■ नीदरलैंड में दो कुर्सियों का सेट भी नीलामी में जग्गा ने अपने पत्र में नीदरलैंड की 10 अक्टूबर को प्रस्तावित नीलामी का भी उल्लेख किया है। इसमें पियरे जेनरे की दो कुर्सियों को लॉट नंबर 28 के रूप में पेश किए जाने की जानकारी दी गई है। इनकी अनुमानित कीमत पांच से सात



हजार यूरो बताई गई है। ■ किस अनुमति से बाहर गयी फर्नीचर? जग्गा ने सवाल उठाया है कि यदि नीलामी कैटलॉग में इन फर्नीचर को चंडीगढ़ के प्रशासनिक भवनों से संबंधित बताया गया है तो यह पता लगाया जाना जरूरी है कि ये वस्तुएं कब और किस प्रक्रिया के तहत चंडीगढ़ से बाहर गईं। उन्होंने नीलामी घरों से खरीद-बिक्री दस्तावेज, निर्यात-आयात और कस्टम रिकार्ड तथा स्वामित्व से संबंधित सभी दस्तावेज लेने की

मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्रालय से फ्रांस और नीदरलैंड के संबंधित अधिकारियों के साथ मामला उठाने तथा दोनों नीलामी घरों को औपचारिक तौर पर सूचित कर जांच पूरी होने तक संबंधित लॉट रोकने का अनुरोध किया है। ■ लौटाया जाए चंडीगढ़ का विरासत फर्नीचर जग्गा ने कहा है कि मामला केवल नीलामी रोकने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यदि जांच में सरकारी स्वामित्व या अवैध तरीके से फर्नीचर को बाहर ले जाने की पुष्टि होती है तो उसकी वापसी और चंडीगढ़ में पुनर्स्थापना के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने शहर के विरासत फर्नीचर का केंद्रीय डाटाबेस बनाने, गायब वस्तुओं की सूची तैयार करने और हेरिटेज आइटम प्रोटेक्शन सेल (एचपीआईसी) को प्रभावी रूप से सक्रिय करने की भी मांग की है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने आंगनवाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे में सुधार का किया ऐलान

मानदेय में वृद्धि का आश्वासन और ‘सेवा संकल्प अभियान’ की शुरुआत

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने राज्य में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा और सकारात्मक कदम उठाया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को आंगनवाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) में व्यापक स्तर पर सुधार करने की एक महत्वपूर्ण योजना की घोषणा की। इसके साथ ही, जमीनी स्तर पर काम करने वाली आंगनवाड़ी और पालना कार्यकर्ताओं को उनके मानदेय में वृद्धि का भी आश्वासन दिया गया है।



तक सरकार की पहुंच और सराहना सुनिश्चित हो सके। वर्तमान में दिल्ली के कई आंगनवाड़ी केंद्र किराए के परिसरों या छोटी जगहों पर चल रहे हैं, जहां बच्चों के लिए पर्याप्त और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना अक्सर मुश्किल होता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस समस्या का स्थायी और बेहतर समाधान निकालते हुए बताया कि सरकार की योजना इन सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को नगर निगम के स्कूल भवनों

9वें राष्ट्रीय पोषण माह पर 10,870 केंद्रों को मिलेगी पहचान
दिल्ली सरकार की यह नई और महत्वाकांक्षी पहल 9वें 'राष्ट्रीय पोषण माह' के अवसर पर शुरू की गई है। पोषण माह का मुख्य उद्देश्य बच्चों और महिलाओं में कुपोषण को दूर करना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस नई योजना के तहत दिल्ली भर में फैले लगभग 10,870 आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़ी हजारों कार्यकर्ताओं के काम को विशेष मान्यता दी जाएगी और उन्हें सम्मानित किया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने में सबसे अहम कड़ी होती हैं। कोरोना महामारी से लेकर आम दिनों तक, इनका योगदान अतुलनीय रहा है। ऐसे में सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाने और उन्हें सम्मानित करने का यह कदम न केवल उनके मनोबल को काफ़ी ऊंचा करेगा, बल्कि उनके योगदान को सम्मान भी दिलाएगा।

भविष्य की रूपरेखा और सकारात्मक प्रभाव

बुनियादी ढांचे में इस बड़े बदलाव से दिल्ली के आंगनवाड़ी मॉडल में एक नई क्रांति आने की उम्मीद है। जब छोटे बच्चों को शुरुआत से ही स्कूलों जैसा सुरक्षित और सुविधायुक्त माहौल मिलेगा, तो प्रारंभिक शिक्षा और पोषण के प्रति उनका रुझान भी बढ़ेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का यह फैसला स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि दिल्ली सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और इन केंद्रों को चलाने वाली महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

में स्थानांतरित करने की है। सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को अगले 2 वर्षों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। एमसी स्कूलों में शिफ्ट होने से इन केंद्रों को स्थायी और बेहतर भवन मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इन नए परिसरों में बच्चों के लिए सभी

बुनियादी और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनमें विशेष रूप से स्वच्छ शौचालय, खेलने के लिए हरे-भरे पार्क और सुरक्षित प्ले एरिया शामिल हैं। इससे बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए एक बेहद अनुकूल और आनंददायक वातावरण तैयार होगा।

विदेश भेजने के नाम पर 7.50 लाख की ठगी, मामला दर्ज

जगदीश लाल | नवांशहर

समर न्यूज

जिले में विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ताजा मामले में काठगढ़ थाना पुलिस ने गांव जंडी निवासी मनोहर लाल के खिलाफ 7.50 लाख रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता विजय कुमार ने पुलिस को बताया कि उसके भाई कमलप्रीत सिंह को विदेश भेजने का भरोसा देकर आरोपी ने अलग-अलग समय पर रकम ली। शिकायत के अनुसार, नवंबर 2023 में पासपोर्ट बनवाने के नाम पर 80 हजार रुपये लिए गए। इसके बाद 26 जुलाई 2024 को 3.50 लाख रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर करवाए गए। आरोप है कि आरोपी लगातार तीन से चार महीने में बीजा लगवाने का भरोसा देता रहा, लेकिन न बीजा लगा, न पासपोर्ट वापस किया गया और न ही रकम लौटाई गई। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की। जिले में पिछले सात महीनों के दौरान विदेश भेजने के नाम पर ठगी के 10 मामले अलग-अलग पुलिस थानों में दर्ज हुए हैं।

दस साल तक न्यूनतम वेतनमान पर रखने की सजा की चुनौती को हाईकोर्ट ने किया खारिज

पंजाब रोडवेज कंडक्टर को हाई कोर्ट से राहत नहीं, विभागीय जांच में दखल से किया इनकार
मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब रोडवेज के एक कंडक्टर को विभागीय अनियमितता के मामले में दस वर्ष तक वेतनमान के न्यूनतम स्तर पर रखने की सजा के खिलाफ दाखिल याचिका पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने खारिज कर दी। जस्टिस कीर्ति सिंह ने कहा कि विभागीय जांच में कर्मचारी को अपना पक्ष रखने, गवाहों से जिरह करने और बचाव में साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। ऐसे में हाई कोर्ट विभागीय जांच के निष्कर्षों का अपीलীয় प्राधिकारी की तरह दोबारा मूल्यांकन नहीं कर सकता। **दो अलग-अलग घटनाओं में बिना टिकट यात्रियों का मामला** मामला वर्ष 1997 की दो विभागीय कार्यवाहियों से जुड़ा था। पहली घटना में बटाला से मेहता जा रही बस की जांच के दौरान 12 यात्री बिना टिकट मिले थे। आरोप था कि कंडक्टर ने यात्रियों से चार-चार रुपये लेकर

टिकट जारी नहीं किए, जिससे 48 रुपये के गबन का आरोप लगा। कंडक्टर ने आरोप से इनकार करते हुए कहा कि वह यात्रियों को टिकट जारी करने की प्रक्रिया में था। उसने बस चालक सुरजीत सिंह को बचाव गवाह के तौर पर पेश किया, लेकिन जांच अधिकारी ने आरोप सिद्ध मानते हुए आठ अप्रैल 1997 को तीन वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने की सजा दी। दूसरी घटना खरड़ की थी। जांच के दौरान 14 यात्री बिना टिकट मिले और उनके 522 रुपये के किराये से संबंधित आरोप लगाया गया। कंडक्टर ने बचाव में कहा कि ये यात्री दूसरी निजी बस का टायर पंचकर होने के बाद उसकी बस में सवार हुए थे और उसने उनसे अभी किराया लिया ही नहीं था। चालक गुरमुख सिंह ने भी उसके पक्ष में गवाही दी, लेकिन जांच अधिकारी ने आरोप सिद्ध मानते हुए उसे दस वर्ष के लिए वेतनमान के न्यूनतम स्तर पर रखने की सजा दी। कंडक्टर ने सजा को औद्योगिक न्यायाधिकरण, गुदरासपुर में चुनौती दी थी। न्यायाधिकरण के फैसले को

हाई कोर्ट ने वर्ष 2015 में रद्द करते हुए मामला पुनर्विचार के लिए भेजा था। अदालत ने विशेष रूप से यह स्पष्ट करने को कहा था कि दस वर्ष तक न्यूनतम वेतनमान पर रखने की सजा का उस अवधि की वार्षिक वेतनवृद्धियों और भविष्य में मिलने वाली वेतनवृद्धियों पर क्या प्रभाव पड़ेगा। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि सजा की अवधि के दौरान वार्षिक वेतन वृद्धियां नहीं मिलेंगी, लेकिन दस वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद आगे देय वेतन वृद्धियां कर्मचारी को मिल सकेंगी। **प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का आधार भी नहीं माना** कंडक्टर की ओर से यात्रियों से पूछताछ नहीं करने, नकदी की जांच नहीं किए जाने और बचाव पक्ष के चालकों की गवाही को स्वीकार नहीं करने की दलील भी दी गई। हाई कोर्ट ने कहा कि इन आधारों से यह साबित नहीं होता कि विभागीय जांच में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ या कर्मचारी को अपना बचाव करने का उचित अवसर नहीं मिला।

औद्योगिक पार्क के लिए 300 एकड़ भूमि अधिग्रहण पर हाई कोर्ट की रोक

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज

मोहाली के सेक्टर-101 और 103 में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क के लिए करीब 300 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए फिहलाल भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में पंजाब सरकार से जवाब भी तलब किया है। प्रभावित किसानों और जमीन मालिकों की ओर से अधिग्रहण को चुनौती देते हुए कहा गया कि जिस जमीन को लिया जा रहा है, वह बेहद उपजाऊ है और इसके अधिग्रहण से खेती के साथ-साथ पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को बताया गया कि सेक्टर-101 और 103 में औद्योगिक पार्क

विकसित करने के लिए करीब 300 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। स्थानीय किसान और जमींदार लंबे समय से इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में प्रभावित किसानों की आपत्तियों और उनके हितों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान किसानों की ओर से यह मुद्दा भी उठाया गया कि कृषि भूमि को औद्योगिक इस्तेमाल में बदलने से क्षेत्र के पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन पर असर पड़ सकता है। याचिकाकर्ताओं ने अदालत से आग्रह किया कि जब तक भूमि अधिग्रहण की पूरी प्रक्रिया और इसके कानूनी पहलुओं की जांच नहीं हो जाती, तब तक सरकार को आगे बढ़ने से रोक़ा जाए।

लालडू में बने नये बस स्टैंड का विधायक रंधावा ने किया उद्घाटन



समर न्यूज | लालडू

विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने शुक्रवार को 3.20 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नए बस स्टैंड का उद्घाटन कर इसे लोगों को समर्पित किया। उद्घाटन से पहले धार्मिक रीति के अनुसार अरदास की गई। विधायक ने कहा कि बस स्टैंड शुरू होने से लालडू और आसपास के यात्रियों को सफर में सुविधा मिलेगी। रंधावा ने कहा कि लालडू में नए बस स्टैंड की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। उनके अनुसार, इससे शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में भी

मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार सार्वजनिक परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर काम कर रही है। विधानसभा क्षेत्र में लोगों की जरूरतों के अनुसार विकास कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर पीआरटीसी के निदेशक गुप्रीत सिंह विंके ने बताया कि लालडू से तीन नए बस मार्गों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें लालडू से पटियाला, लालडू से पीजीआई चंडीगढ़ और लालडू से हंडेसरा के लिए बस सेवाएं शामिल हैं।

इन्स-आउट में आर्किटेक्चरर्स का उभरती चुनौतियों पर मंथन

देश भर के प्रसिद्ध हस्तियों ने डिज़ाइनर और प्रोफेशनल आर्किटेक्चर में उभरते ट्रेंड पर की चर्चा

समर न्यूज | चंडीगढ़



की बदलती उम्मीदें आर्किटेक्चर के भविष्य को कैसे प्रभावित कर रही हैं। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ चेप्टर के को चेयर सुवत खन्ना ने अपने स्वागत भाषण में चंडीगढ़ के एक आर्किटेक्चरल हब और आर्किटेक्चरल एजुकेशन और डिजाइन के एक महत्वपूर्ण सेंटर के तौर पर महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि शहर की खास प्लानिंग, आज के आर्किटेक्चर और इसके भविष्य की दिशा पर

चर्चा के लिए एक सही प्लेटफॉर्म देता है। कॉन्फ्रेंस में इस प्रोफेशन के सामने आने वाली नई चुनौतियों और नए और टिकाऊ समाधानों की जरूरत पर भी बात की गई। पीएचडीसीसीआई के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल नवीन सेठ ने पिछले 12 सालों में संस्थान के सफर और गतिविधियों पर पर रोशनी डाली। इस अवसर पर एंथोस, बैंगलुरु की संस्थापक आर्किटेक्ट गीता बालकृष्णन ने समाज में आर्किटेक्चर की बड़ी भूमिका के

40 साल बाद कर्मचारी को मिलेगा पदोन्नति का बकाया वेतन

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने करीब चार दशक पुराने पदोन्नति विवाद में कर्मचारी को बड़ी राहत देते हुए पंजाब सरकार को वर्ष 1986 से बकाया वेतन का भुगतान करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब किसी कर्मचारी को पदोन्नति देने से विभाग की गलती के कारण रोका गया हो और बाद में अदालत उस कर्मचारी के पदोन्नति अधिकार को स्वीकार कर ले, तो केवल इस आधार पर आर्थिक लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसने उस अवधि में

उच्च पद पर काम नहीं किया था। ऐसे मामले में 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का सिद्धांत लागू नहीं होगा। जस्टिस सुदीप्टि शर्मा ने जसपाल सिंह की याचिका पर फैसला सुनाया। याचिका में 10 सितंबर 2002 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत उन्हें 18 सितंबर 1986 से पदोन्नति का वास्तविक आर्थिक लाभ देने से इनकार कर दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उनके कनिष्ठों को 18 सितंबर 1986 को पदोन्नति दे दी गई, जबकि उन्हें नजरअंदाज किया गया। इसके बाद उन्होंने सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सॉफ्टवेयर बदला, सेवा केंद्रों की व्यवस्था अटकी: 1.32 लाख पुरानी फाइलों की पेंडेंसी, नए सिस्टम में 3500 मामले लंबित

राजवीर बख्शी | लुधियाना
समर न्यूज

सेवा केंद्रों में सॉफ्टवेयर बदलने के बाद आम लोगों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती नजर आ रही है। विभिन्न प्रमाणपत्रों और सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले लोग कई दिनों से सेवा केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन फाइलों की अप्रुवल नहीं होने के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पुराने सिस्टम की पेंडेंसी पूरी तरह खत्म किए बिना नया सॉफ्टवेयर शुरू कर दिया गया, जबकि नए सिस्टम में भी शुरुआती दौर में तकनीकी दिक्कतों के चलते काम प्रभावित हो रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पुराने सॉफ्टवेयर में करीब 1.32 लाख फाइलें पेंडिंग बताई जा रही हैं। इन्में जन्म एवं मृत्यु प्रमाणपत्रों की करीब 49,218, रैजिडेंस सर्टिफिकेट की 6,717 और जाति प्रमाणपत्रों की करीब 61,433 फाइलें शामिल हैं। दूसरी तरफ नए 'डिजिट पंजाब' सॉफ्टवेयर में भी करीब 3500 फाइलें लंबित बताई जा रही हैं। इनमें से अब तक करीब 80 फाइलों की अप्रुवल होने की बात सामने आई है।



अभिजोत सिंह



मोहित भाटिया

जानकारी के मुताबिक वेस्ट तहसील में रैजिडेंस और जाति प्रमाणपत्रों से संबंधित अप्रुवल के लिए आईडी तैयार होने में भी दिक्कत रही। इसके चलते आवेदन करने वाले लोगों को बार-बार सेवा केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि हर बार उन्हें सॉफ्टवेयर में बदलाव और नई व्यवस्था शुरू होने के कारण कुछ समय लगने की बात कहकर वापस भेज दिया जाता है।

■ जुलाई-अगस्त में आवेदन, अब तक

इंतजार...

सेवा केंद्रों में पहुंच रहे लोगों का कहना है कि कई फाइलें एक महीने से ज्यादा समय से लंबित हैं। मोहित भाटिया ने बताया कि उन्होंने 23 जुलाई 2026 को मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक अप्रुवल नहीं मिली। वह कई बार सेवा केंद्र के चक्कर लगा चुके हैं। अभिजोत सिंह ने बताया कि उन्होंने 23 जुलाई 2026 को मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक प्रमाणपत्र नहीं बन पाया। वहीं गौरव ने बताया कि उन्होंने 4 अगस्त को मैरिज सर्टिफिकेट के लिए आवेदन किया था और अब तक चार बार सेवा केंद्र जा चुके हैं। उनका नई व्यवस्था शुरू होने के कारण कुछ समय लगने की बात कहकर वापस भेज दिया जाता है।

■ एसआईआर के बीच जाति प्रमाणपत्रों की जरूरत ने बढ़ाई

मुश्किल... एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कई मामलों में दस्तावेजी प्रमाण की जरूरत पड़ने से जाति प्रमाणपत्र समेत अन्य प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन बढ़े हैं। ऐसे में जाति प्रमाणपत्रों की अप्रुवल लंबित रहने से संबंधित लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि नई व्यवस्था लागू करने से पहले पुराने मामलों को व्यवस्थित तरीके से निपटाया जाना चाहिए था, ताकि आम लोगों को बार-बार सेवा केंद्रों के चक्कर न लगाने पड़ें।

■ एडीसी बोलीं- नई आईडी बन चुकी, काफी पेंडेंसी भी निकली...

एडीसी शिक्षा भगत ने कहा कि नई आईडी बन चुकी है और काफी पेंडेंसी भी क्लियर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बाकी लंबित मामलों को भी जल्द ही, आने वाले कुछ दिनों में, निपटा दिया जाएगा।

कार्यक्रम बंगा और नवांशहर में 500 ड्रोंनों की चित्रकारी से सजा आसमान

श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व पर भव्य ड्रोन शो



जगदीश लाल | नवांशहर
समर न्यूज

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत बंगा के सिख नेशनल कॉलेज और नवांशहर के सरकारी आईटीआई ग्राउंड में भव्य ड्रोन शो आयोजित किए गए। इस दौरान 500 ड्रोन ने आसमान में रोशनी के माध्यम से गुरु जी के जीवन, शिक्षाओं और दर्शन से जुड़े विभिन्न दृश्य प्रस्तुत किए। बड़ी संख्या में सांत ने श्रद्धा और उत्साह के साथ कार्यक्रम देखा। ड्रोन शो के माध्यम से श्री गुरु रविदास जी के

समानता, भाईचारे, दया, सामाजिक न्याय और मानवीय सम्मान के संदेश को आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत किया गया। गुरु जी के जीवन से जुड़े प्रसंगों और शिक्षाओं को रोशनी की अलग-अलग आकृतियों के माध्यम से दर्शाया गया। पंजाब सरकार ने श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित सालभर चलने वाले कार्यक्रमों के तहत राज्य में कुल 92 विशेष ड्रोन शो आयोजित करने की घोषणा की है। बंगा के विधायक एवं हलका इंचार्ज डॉ. सुखविंदर कुमार सुखी और नवांशहर के जसप्रीत सिंह रौबी कंग ने कहा कि प्रकाश पर्व को बड़े स्तर

पर मनाया जा रहा है। रौबी कंग ने कहा कि सरकार ने प्रकाश पर्व से जुड़े सालभर के कार्यक्रमों के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। राज्य में ड्रोन शो के अलावा सेमिनार, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन भी आयोजित किए जा रहे हैं। नगर सुधार ट्रस्ट के चेयरमैन सतनाम सिंह जलवाहा और पंजाब वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन के वाइस चेयरमैन कुलजीत सिंह सरहाल ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवा पीढ़ी तक गुरु जी की शिक्षाओं और समानता के संदेश को पहुंचाना है।

नशामुक्त पंजाब यात्रा के दौरान गांव के लोगों का मिल रहा भरपूर सहयोग

भाजपा पंजाब प्रधान बोले- देश में नक्सलवाद, यूपी में गैंगस्टरवाद खत्म कर सकते हैं तो पंजाब में ड्रग खत्म करना असंभव नहीं



सुनील | लुधियाना | समर न्यूज

नशे की भेंट चढ़े युवाओं के परिवारों के साथ भारतीय जनता पार्टी के पंजाब प्रधान केवल सिंह दिल्ली लुधियाना में रूबरू हुए। भाषण शुरू करते ही केवल सिंह दिल्ली में पंजाब को नशा मुक्त बनाने का दावा किया। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी नक्सलवाद और यूपी में गैंगस्टरवाद को खत्म कर सकती है तो पंजाब में ड्रग खत्म करना भी उनके लिए असंभव नहीं

• दुखी मां ने बताया उसके 4 बेटे नशे से मर गए

इस मीटिंग दौरान जगराओं की एक बुजुर्ग महिला भी पहुंची जिन्होंने बताया कि नशे की दलदल में फंसे हुए उसके चार बेटे इस दुनिया में अब नहीं रहे। वह इतनी भावुक थी कि अपनी पूरी बात भी लोगों के सामने ना रख पाई। इसके अलावा 17 ऐसे और भी परिवार वहां पर पहुंचे हुए थे जिनके बेटे या रिश्तेदारों की ड्रग की वजह से मौत हुई। लुधियाना मनजीत नगर की एक महिला ने बताया कि उसके मोहल्ले में सरेआम नशा बिकता है। पुलिस भी इन नशा तस्करो को नहीं पकड़ती जिस कारण उसके इलाका में ही 50 से ज्यादा युवाओं की मौत हो चुकी है।

• गठबंधन सरकार में नशा नहीं रुका इसी लिए भाजपा 117 सीटों पर लड़ेगी

एक सवाल का जवाब देते हुए केवल सिंह दिल्ली ने बताया कि जब गठबंधन की सरकार थी तब शिरोमणि अकाली दल के चीफ मिनिस्टर थे। उन्होंने बताया कि उस दौरान नशा रोक नहीं जा सका। केवल सिंह दिल्ली ने कहा कि अब पंजाब को नशा

• नशे के छठे दरिया ने रंगले पंजाब को किया

दिल्लों ने कहा पंजाब में पांच दरिया पानी के हैं जबकि अब छठा दरिया नशे का है। इस नशे के दरिया ने पंजाब के युवाओं को बर्बाद कर दिया है और रंगले पंजाब को खत्म कर दिया है। उन्होंने बताया कि पंजाब के युवाओं के पास आज नौकरियां नहीं है और बेरोजगारी के कारण वह परेशान होने के चलते नशे की दलदल में फंस रहे हैं। नशा तस्करी के बारे में केवल सिंह दिल्ली बोले की बॉर्डर पार से अब 80% नशा भारत आना बंद हो चुका है। उन्होंने बताया कि पंजाब के युवा जिस नशे का इस्तेमाल कर रहे हैं वह सिंथेटिक नशा है जो कि पीडियों को ही खत्म कर देता है।

10 मिनट की भारी बारिश चंडीगढ़ रोड हुआ जलमग्न



लक्की भटी | लुधियाना समर न्यूज

शहर के चंडीगढ़ रोड इलाके में शुक्रवार को हुई करीब 10 मिनट की तेज बारिश के बाद सड़कें पानी से भर गईं। कुछ ही देर में सड़क पर भारी जलभराव हो गया, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के साथ ही कई स्थानों पर सीवरेज ओवरफ्लो होने से हालात और बिगड़ गए। सीवरेज का

पानी सड़कों पर जमा होने के कारण लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ा। सड़क पर पानी भरने से दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी हुई और यातायात की रफ्तार भी प्रभावित रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि थोड़ी देर की तेज बारिश में ही सड़क पर जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। लोगों ने संबंधित विभाग से सीवरेज व्यवस्था की सफाई करवाने और जल निकासी का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

न्यूज ब्रीफ

मकान लेकर नहीं किया खाली, किराया भी बंद; लाखों का बिजली बिल बकाया

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना समर न्यूज

दुगरी इलाके में किराए पर मकान लेने के बाद तय समय पूरा होने पर भी मकान खाली न करने और किराया देना बंद करने का मामला सामने आया है। मकान मालिक का दावा किया कि दुगरी पुलिस ने नवदीप सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में आरोप है कि मकान का बिजली बिल भी लाखों रुपये तक पहुंच गया। पुलिस को दी शिकायत में महिंदर कौर ने बताया कि उन्होंने अपना मकान 7 जुलाई 2024 को 11 महीने के लिए 65 हजार रुपये प्रतिमाह किराए पर दिया था। इसके लिए दोनों पक्षों के बीच किराए का इकरारनामा भी किया गया था। शिकायत के मुताबिक इकरारनामे की शर्तों के अनुसार

इसे रजिस्टर्ड करवाया जाना था, लेकिन आरोप है कि बार-बार कहने के बावजूद आरोपी ने ऐसा नहीं करवाया। शिकायतकर्ता के अनुसार इकरारनामे की अवधि पूरी होने पर 7 जून 2025 को मकान खाली किया जाना था, लेकिन आरोपी ने मकान खाली नहीं किया। वह बार-बार जल्द मकान खाली करने का भरोसा देता रहा। आरोप है कि इसके बावजूद मई 2025 से किराया देना भी बंद कर दिया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मकान का बिजली बिल लाखों रुपये में पहुंच गया, जिसका भुगतान नहीं किया गया। मामले की जांच के बाद दुगरी पुलिस ने नवदीप सिंह निवासी बीआरएस नगर, लुधियाना के खिलाफ बीएनएस की धारा के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी को लेने फरीदकोट जा रहा था संदीप, रास्ते में मौत ने रोकी सांसे

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना समर न्यूज

मोगा-फिरोजपुर मुख्य मार्ग पर गांव घल्ल कलां के पास शुक्रवार को हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां मातम में बदल दीं। तेज रफ्तार टिप्पर और स्विफ्ट कार की जोरदार टक्कर में कार चालक 35 वर्षीय संदीप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक संदीप सिंह पुत्र जसविंदर सिंह शिमलापुरी, लुधियाना का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि वह अपनी पत्नी को लेने के लिए फरीदकोट जा रहा था, लेकिन रास्ते में हुए दर्दनाक हादसे ने उसकी जान ले ली। जानकारी के अनुसार, संदीप अपनी स्विफ्ट कार से लुधियाना से फरीदकोट की ओर जा रहा था। गांव घल्ल कलां के पास अचानक कार बेकाबू हो गई और सड़क पर जा रहे टिप्पर से जा टकराई। टक्कर इतनी

जबरदस्त थी कि कार टिप्पर के नीचे जा घुसी और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राहगीरों और आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लिया। हादसे के कारण हाईवे पर यातायात भी कुछ समय तक प्रभावित रहा। पुलिस ने वाहनों के सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु करवाया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोगा के सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम और अन्य कार्रवायों का इलाका भी जाणगी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। संदीप की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम पसर गया।

भाजपा लोगों की आवाज बन निकाल रही नशामुक्त पंजाब यात्रा : रीना गोयल जैन

गुरमीत सिंह निझर | लुधियाना समर न्यूज

भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रीना गोयल जैन ने हलका आत्म नगर में बातचीत करते हुए कहा कि 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' किसी एक राजनीतिक दल की मुहिम नहीं, बल्कि पंजाब के उन हर परिवारों की आवाज है, जो नशे के कारण अपने बेटों-बेटियों का भविष्य बर्बाद होता नहीं देkhना चाहते। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से पंजाब के सभी 117 विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली जा रही है। इसके माध्यम से युवाओं को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशे के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया जा रहा है। रीना गोयल जैन ने कहा

कि विपक्षी दलों की ओर से इस यात्रा को लेकर की जा रही आलोचना और कई स्थानों पर किए जा रहे विरोध के बावजूद भाजपा अपनी मुहिम से पीछे नहीं हटेगी। नशे जैसी गंभीर सामाजिक समस्या और पंजाब के परिवारों की पीड़ा को केवल राजनीतिक विरोध का विषय बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समय एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय नशे के खिलाफ ठोस, प्रभावी और लगातार कार्रवाई करने की आवश्यकता है। भाजपा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से बचना, परिवारों में विश्वास पैदा करना तथा पंजाब की जवानी को शिक्षा, रोजगार, खेल और विकास के साथ जोड़ना है। उन्होंने विपक्षी दलों से अपील की यदि उनके पास नशे की समस्या से निपटने के लिए बेहतर सुझाव हैं तो उन्हें केवल राजनीतिक आलोचना करने के बजाय वे सुझाव जनता के सामने रखने चाहिए।

आधी रात घर के बाहर पहुंचे चार बदमाश, बालकनी में खड़े युवक पर चलाई गोलियां

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना समर न्यूज

महानगर के ड्रीम सिटी, भड्डियां इलाके में आधी रात को हुई अंधाधुंध फायरिंग से दहशत फैल गई। आरोप है कि मिलने के लिए बुलाने पर घर से बाहर न आने पर रॉबिन अपने तीन साथियों के साथ दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर सागर के घर पहुंच गया। वहां आरोपियों ने घर की पहली मंजिल की बालकनी में खड़े सागर पर गोलियां चला दीं। गनीमत रही कि सागर ने समय रहते झुककर अपनी जान बचा ली। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकियां देते हुए फरार हो गए। पुलिस को दी शिकायत में सागर ने बताया कि 23 सितंबर को रॉबिन उसे लगातार फोन कर ड्रीम सिटी में मिलने के लिए बुला रहा था। लगातार फोन आने से परेशान होकर उसने अपने चाचा नितिन चंद्र बोस

को इसकी जानकारी दी। चाचा ने खतरे की आशंका जताते हुए उसे मोबाइल बंद कर घर में रहने की सलाह दी। इसके बाद सागर परिवार सहित घर में सो गया। आधी रात को रॉबिन अपने तीन साथियों के साथ घर के बाहर पहुंचा और सागर को आवाजें लगाकर नीचे बुलाने लगा। आवाज सुनकर सागर बालकनी में आया, लेकिन नीचे आने से मना कर दिया। आरोप है कि इससे गुस्साए आरोपियों ने हथियार निकालकर उस पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

■ **सलेम टावरी पुलिस ने दर्ज किया केस...** सागर की शिकायत पर सलेम टावरी पुलिस ने रॉबिन, यशु, एस्कोबार और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

टिब्बा से लापता तीन बच्चे अमृतसर से मिले, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

अशतनी पाहवा | लुधियाना समर न्यूज

टिब्बा इलाके से 22 सितंबर को लापता हुए तीनों बच्चों को पुलिस ने अमृतसर से सकुशल बरामद कर लिया। तीनों बच्चे घर से खेलने के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। परिजनों की शिकायत पर थाना टिब्बा पुलिस ने केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की थी। एएसआई बलजीत सिंह ने बताया कि बच्चे 22 सितंबर को घर से निकले थे। 23 सितंबर को परिजनों ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। 24 सितंबर को मिली फुटेज में तीनों बच्चे मेहरबान



इलाके से अकेले जाते हुए दिखाई दिए। उनके साथ कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर नहीं आया। जिसके बाद पुलिस ने आगे की फुटेज खंगाली और बच्चों की गुमशुदगी की खबर सभी पुलिस चौकियों और थानों को दी। पुलिस के अनुसार 25 सितंबर को सूचना मिली कि तीनों बच्चे अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अमृतसर पहुंची और बच्चों को सकुशल लुधियाना लेकर आई। देर शाम तीनों को

मां बगलामुखी धाम में त्यापार समृद्धि यज्ञ का आयोजन, त्यापारियों ने यज्ञ में सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

नीलकमल मोन्ू | लुधियाना समर न्यूज

सिद्धपीठ मां बगलामुखी धाम, लुधियाना में महंत प्रवीण चौधरी के सानिध्य में व्यापार समृद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में बड़ी संख्या में व्यापारियों एवं श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस दौरान व्यापारियों ने अपने कारोबार में तरक्की, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मां बगलामुखी के चरणों में प्रार्थना की। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ में श्रद्धालुओं द्वारा आहुतियां डाली गईं। इस अवसर पर व्यापारियों ने व्यापार में आने वाली बाधाओं, कर्ज और अन्य परेशानियों से मुक्ति तथा कारोबार में उन्नति के लिए मां का आशीर्वाद प्राप्त किया।



यज्ञ की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए महंत प्रवीण चौधरी ने कहा कि मां बगलामुखी दस महाविद्याओं में आठवीं महाविद्या हैं और उन्हें पीतांबरि माता के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और सच्चे मन से मां की आराधना करने से व्यक्ति को आत्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा

इनमें 43 कंटेनरों में एडीज मच्छर का लार्वा मिला। सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप कौर के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान टीमों ने घरों की छतों पर रखी पानी की टंकियों, कूलरों, गमलों की ट्रे, फ्रिज की ड्रिप ट्रे और अन्य पानी जमा होने वाले स्थानों की जांच की। लार्वा मिलने वाले कंटेनरों में तुरंत लार्वीसाइडल उपचार किया गया और जमा पानी को हटाकर मच्छरों के प्रजनन स्थल खत्म किए गए। डेंगू के 42 पाजिटिव

अशतनी पाहवा | लुधियाना समर न्यूज

लुधियाना जिला में डेंगू के 42 पाजिटिव मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में निगरानी और एंटी-लार्वा गतिविधियां तेज कर दी हैं। 'हर शुक्रवार डेंगू ते वार' अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 414 इलाकों में सर्वे कर 12,682 घरों और 21,981 पानी के कंटेनरों की जांच की।

दुर्गा माता मंदिर प्रताप नगर में श्रद्धा, भक्तिभाव से मनाया श्री गणेश उत्सव

गुरमीत सिंह निझर | लुधियाना समर न्यूज

दुर्गा माता मंदिर, प्रताप नगर में श्री गणेश उत्सव श्रद्धा, भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव के समापन अवसर पर मंदिर परिसर से भगवान श्री गणेश जी की विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी आस्था एवं श्रद्धा व्यक्त की। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा लगाए जा रहे श्री गणेश जी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बैंड-बाजों की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए उत्सव की खुशी मनाई। शोभायात्रा के उपरांत पूर्ण धार्मिक मर्यादा एवं विधि-विधान के अनुसार दोराहा स्थित नहर में श्री गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन



किया गया। मंदिर के प्रधान रिकू शर्मा ने बताया कि श्री गणेश उत्सव के दौरान सभी धार्मिक कार्यक्रम पूरी श्रद्धा एवं धार्मिक मर्यादा के अनुसार आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि पूरे उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के साथ-साथ सर्वजन के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर मंदिर प्रबंधक कमेट्री के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वृंदावन के संत चित्र-विचित्र महाराज ने डायलिसिस मशीन का उद्घाटन किया



नीलकमल मोन्ू | लुधियाना समर न्यूज

धांधरा रोड स्थित बसंत एवेन्यू में नर सेवा फाउंडेशन के फ्री डायलिसिस सेंटर, हाई केयर अस्पताल, दुगरी में आज सेवा और भक्ति का सुंदर संगम देखने को मिला। वृंदावन से पथारे पूजनिय संत चित्र-विचित्र महाराज ने डायलिसिस सेंटर में नई डायलिसिस मशीन का विधिवत उद्घाटन किया। यह डायलिसिस मशीन पंचकूला निवासी श्री प्रवीण गोयल द्वारा जरूरतमंद मरीजों की सेवा के लिए दान की गई है। नर सेवा फाउंडेशन के बी.डी. गोयल ने श्री प्रवीण गोयल का

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई मशीन शुरू होने से डायलिसिस के लिए प्रतीक्षा कर रहे मरीजों को राहत मिलेगी और अधिक जरूरतमंद मरीजों की सेवा करना संभव हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूजनिय संत चित्र-विचित्र महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर बी.डी. गोयल, सोनू सिंगला, विशाल गुप्ता, अनिल अग्रवाल, बाली, रमन लांबा, विनय नागपाल, समीर बोरा, डॉ. रघुवीर शर्मा, सुभाष ज़िंदल, भावना गोयल, निकिता गोयल, पुनीत गोयल, आशु चौक और इंद्रप्रीत सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।